बिहार में वनों की कटाई

997. **श्री गया सिंह:** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि बिहार में बड़े पैमाने पर वनों की कटाई हुई है और यह अभी भी जारी है; यदि हां, तो क्या इसके लिए कोई वैकल्पिक योजना बनाई गई है;

(ख) क्या यह भी सच है कि बिहार में लाखों वृक्षों को नष्ट करके वहां पर सरकारी क्षेत्र के उपक्रम स्थापित किये गये हैं, यदि हां, तो इस नुकसान की प्रतिपूर्ति हेतु वहां कितने वृक्ष लगाए गए हैं और इस संबंध में भावी योजनाएं क्या हैं; और

(ग) बिहार में कितनी एकड़ भूमि वनाच्छादित है और वहां पर वन भूमि, बंजर भूमि, खाली भूमि और कृषि योग्य भूमि का पृथक-पृथक ब्यौरा क्या है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ): (क) कोल्हन आन्दोलन के राजनैतिक कार्यकर्त्ताओं द्वारा संगठित होकर पेड़ काटने के प्रयास किए गए हैं। स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया है।

(ख) यह सच नहीं है कि बिहार में लाखों वृक्षों को नष्ट करके सरकारी क्षेत्र के उपक्रम स्थापित किए गए हैं। भारत सरकार ने 3221 हे० वन क्षेत्र को वनेतर प्रयोजनों के लिए उपयोग में लाने संबंधी 37 प्रस्ताव अनुमोदित किए हैं। क्षतिपूरक वनरोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत 60 हेक्टेयर भूमि में वृक्षारोपण किया गया है।

(ग) बिहार में 29,230 वर्ग किलोमीटर अधिसूचित वन क्षेत्र है। भारतीय वन सर्वेक्षण की 1991 की रिपोर्ट के अनुसार बिहार में वन क्षेत्र 26,238 वर्ग किलोमीटर है। अन्य भूमि उपयोग पैटर्न संलग्न विवरण में दिए गए हैं।

विवरण

बिहार में भूमि उपयोग प्रतिमान

क्र० संख्या	भूमि उपयोग	क्षेत्र (मिलियन हे० में)
1.	बंजर और गैर कृषि भूमि	1.016
2.	गैर कृषि उपयोग में लाई गई भूमि	2.079
3.	खेती-योग्य परती भूमि	0.397
4.	स्थाई चरागाह तथा अन्य चराई भूमि	0.131
5.	विविध फसलें एवं उपवन	0.264
6.	अन्य बंजर भूमियां (2 से 5 वर्ष)	1.089
7.	इस समय बंजर	1.827
8.	कुल बुआई क्षेत्र	7.604
	कुल 1 से 8	14.407
1.	कुल फसली क्षेत्र	10.516
2.	एक वर्ष में एक बार से अधिक बुआई क्षेत्र	2.912

चन्द्रपुर ताप विद्युत केन्द्र से निकलने वाली धूल

998. **श्री गया सिंह:** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि चन्द्रपुर ताप विद्युत केन्द्र से लगातार धूल के उड़ने से बोकरो स्टील सिटी की बस्तियों में रहने वाले लोगों के लिए काफी समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं; और

(ख) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कार्यवाही की जा रही है और उसका ब्यौरा क्या है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ): (क) और (ख) चन्द्रपुर ताप बिजलीघर से होने वाले उत्सर्जन निर्धारित मानकों से अधिक है। इस यूनिट को निदेश दिये गए हैं कि वह अपनी सभी इकाइयों में अधिक क्षमता वाले नये इलैक्ट्रोस्टेटिक प्रेसिपिटेटर लगाए। 6 इकाइयों में से 2 इकाइयों ने नये इलैक्ट्रोस्टेटिक प्रेसिपिटेटर लगा लिए हैं, जो सन्तोषजनक ढंग से कार्य कर रहे हैं। अन्य इकाइयों में नये इलैक्ट्रोस्टेटिक प्रेसिपिटेटर लगाने का कार्य चल रहा है।

Cultivation of Trees by Farmers

999. SHRI RAMJI LAL: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) what is the policy of Government to make India a country of trees;

(b) whether any grant/aid is provided